

देश में हर साल जन्म लेते हैं एक लाख बधिर

नई दिल्ली। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में 6.3 करोड़ से ज्यादा लोग सुन नहीं सकते। हर वर्ष करीब एक लाख बच्चे बधिर समस्या के साथ जन्म ले रहे हैं। इन बच्चों को आजीवन इस बीमारी से बचाया जा सकता है। जन्म के बाद बधिरता जांच के साथ ही कोचलियर इंप्लांट के जरिए यह संभव है। मंगलवार को अपोलो अस्पताल में एक परिचर्चा के दौरान यह जानकारी दी गई। ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर क्रिकेटर ब्रेट ली ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है, लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। जागरूकता पहल नवजात के माता-पिता और परिवारों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. अनुपम सिंहल ने बताया कि बहरेपन से जूझ रहे लोगों में बच्चों की बड़ी तादाद है। देश में प्रत्येक एक हजार बच्चों में से 4 बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। अपोलो ने यूनिवर्सल न्यूबर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम के 14 साल पूरे कर लिए हैं। व्यूरो

24 घंटे में स्क्रीनिंग कर बहरेपन के दंश से बचाया जा सकता है

हर साल पैदा होने वाले बच्चों में से एक लाख को सुनने की परेशानी

अपोलो अस्पताल में
बहरेपन की समस्या को
लेकर हुआ सेमिनार

भास्कर न्यूज़ नई दिल्ली

भारत में पैदा होने वाले कुल बच्चों में से करीब एक लाख बच्चों को सुनने में परेशानी होती है। बच्चों को सुनने की परेशानी को उनके पैदा होने के 24 घंटे में स्क्रीनिंग कर दूर किया जा सकता है। कुछ को थोड़े बहुत इलाज से जबकि

कुछ को कोचलियर में मरीन इंलाइट कर जिंदगीभर बहरेपन से जूझने से बचाया जा सकता है। यह कहना है अपोलो अस्पताल में इंफनटी के डॉक्टर प्रोफेसर अमित किशोर का। यह बात उन्होंने भागलवार को बच्चों में सुनने की परेशानी को लेकर हुए सेमिनार में कही। इस सेमिनार में क्लिकटर ब्रेट ली ने भी हिस्सा लिया। डॉ. अमित किशोर ने कहा कि मैंने उन धेरेट्स के चेहरे पर खुशी देखी है जब उनके बच्चे सुनने की कमी से बाहर निकल कर सामान्य

रूप से सुनने लगते हैं। हियरिंग लैंस का प्रारंभिक तौर पर पता लगाना इस संतुष्टि के निर्माण की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में ही 34,000 से अधिक लोग महत्वपूर्ण सुनने की कमी से पीड़ित हैं। अपोलो अस्पताल में पैदा होने वाले हर बच्चे की स्क्रीनिंग की जाती है। यहां हमने 1500 कोचलियर में मरीन लगाई है और लोगों को बहरेपन की परेशानी से बचाया है। इसमें छोटे बच्चों से लेकर बड़े तक शामिल हैं।

श्रवण अक्षमता का इलाज संभव पर जागरूकता की कमी : ब्रेट ली

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: सरिता विहार स्थित अपोलो अस्पताल में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ पर चर्चा की। इस दौरान क्रिकेटर ब्रेट ली, अपोलो अस्पताल सीईओ पी. शिव कुमार, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डॉ. अनुपम सिब्बल, कोचलियर इम्प्लांट सर्जन डॉ. नीविता नारायण और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित किशोर मौजूद रहे। चर्चा में डॉक्टरों ने कहा कि जन्म के समय ही बच्चों की हियरिंग स्क्रीनिंग कर ली जाए तो इसका समय पर बेहतर इलाज संभव है।

ब्रेट ली ने कहा कि सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है, लेकिन ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। इस तरह की जागरूकता कार्यक्रमों से नवजात शिशुओं के



अपोलो अस्पताल में पत्रकारों से बात करते क्रिकेटर ब्रेट ली ● जागरण

माता-पिता और परिवारों को शिक्षित करने में मदद मिलती है।

1. <http://www.drugtodayonline.com/medical-news/nation/10062-1500-kids-got-hearing-implants-in-apollo-hospital-delhi.html>
2. <https://anewsofindia.com/2019/11/13/experts-at-indraprastha-apollo-hospitals-advocate-for-hearing-health-in-india/>
3. <https://medgatetoday.com/experts-at-indraprastha-apollo-hospitals-advocate-for-hearing-health-in-india/>

अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य पर की चर्चा

नई दिल्ली, (वीआ) इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आजआयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग (यूएनएचएस), अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा।

अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ें लेकर आया है। इम्प्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली, के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिब्बल, मुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफेसर) अमीत किशोर, ईएनटी और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो

हॉस्पिटल्स और सुश्री नीविता नारायण, ऑडियोलॉजिस्ट, सीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इम्प्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा कीं, और सरकार से देश भर में यूएनएचएस को अनिवार्य करने का आग्रह किया।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं; यूएनएचएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में, 6.3 प्रतिशत जनसंख्या - 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग - महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं; लगभग 100,000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। नेशनल सेम्पल सर्वे - 2002 में 58वां दौर - ने भारतीय घरों में विकलांगता का सर्वेक्षण किया और इसमें पाया गया कि श्रवण विकलांगता, विकलांगता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संवेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है।

1500 बच्चों का किया हियरिंग इम्प्लांट

नई दिल्ली, 12 नवम्बर (नवोदय टाइम्स): भारत में हर साल एक लाख बच्चे बच्चे पैदा होते हैं और 63 मिलियन से अधिक लोग देश में बहरेपन के शिकार हैं। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए अपोलो अस्पताल ने पिछले 14 सालों में 1500 बच्चों का हियरिंग इम्प्लांट कर उनके जीवन में खुशियाँ लाई हैं। अब इन बच्चों को सुनाई देने लगा है। यह जानकारी अपोलो अस्पताल के ग्रुप मेडिकल हायरेक्टर डा. अनुपम सिंहल ने पत्रकारों को

■ भारत में हर साल पैदा होते हैं 1 लाख बहरे बच्चे दी। इस मौके पर मौजूद ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली ने कहा, अपोलो जैसी संस्थाओं को इतने बच्चों के जीवन में और उनके परिवारों के जीवन में सुनने का आनंद लाने में सक्षम करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। कहा, सुनने की अक्षमता का इलाज हो सकता है लेकिन, ज्यादा लोगों को उपलब्ध उपचारों की

जानकारी नहीं है। इसलिए इसकी जागरूकता लाने की जरूरत है ताकि नवजात शिशुओं के माता-पिता और परिवारों को जानकारी मिल सके। मैं चाहता हूँ कि हर कोई रोजमरा की जिंदगी को आवाजों का अनुभव कर सके। डा. सिंहल ने कहा, यूनिवर्सल न्यूर्बॉन हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो अस्पताल के बच्चों का श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि यूएनएचएस को देश भर में अनिवार्य किया जाए।

63 मिलियन बच्चे बहरेपन से पीड़ित

दैनिक न्यूज़ ■ नई दिल्ली

बल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार दुनियाभर में 466 मिलियन लोग बहरेपन की समस्या से ज़ज़ह रहे हैं, इनमें 34 मिलियन बच्चे हैं। वहाँ, भारत में इसकी संख्या 63 मिलियन है और प्रत्येक एक हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के अनुसार लगभग एक लाख बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। इसी संबंध में इंप्रद्रस्थ अपोलो अस्पताल में एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की।

ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट



नीविता नारायण ने कहा कि सुनने की कमी का नुकसान प्रारंभिक बच्चों में बच्चे के सीखने की क्षमता को बहुत प्रभावित कर सकता है। उन्होंने बताया कि अक्सर यह देखा जाता है कि हियरिंग लॉस से बोलने के कौशल पर भी असर पड़ता है। जल्दी पता लगाने से तेज और प्रभावी उपचारों में मदद मिलती है। माता-

पिता हमेशा अपने बच्चों में सुनने की कमी को पहचानने में सक्षम नहीं होते हैं, यही कारण है कि न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण हो जाती है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग कार्यक्रम श्रवण विकलांगता का जल्दी पता लगाने में सक्षम है और जिससे श्रवण विकलांगता की समस्या का समाधान होता है।

‘हर साल 1 लाख बच्चे बेहरेपन की समस्या के शिकार’



नई दिल्ली, 12 नवम्बर (देशबन्धु)। बल्ड हेलथ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार दुनियाभर में 466 मिलियन लोग बहरेपन की समस्या से

ज़िक्र रहे हैं, इनमें 34 मिलियन बच्चे हैं। वहाँ भारत में इसकी संख्या 63 मिलियन है और प्रत्येक एक हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के अनुसार लगभग एक लाख बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। इसी संबंध में इंप्रेस्ट्री अपोलो हॉस्पिटल्स में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हियरिंग हेलथ के कारणों पर चर्चा की। ऑफियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट नीविता नारायण ने कहा कि सुनने की कमी का तुकसान प्रारंभिक वर्षों

में बच्चे के सीखने की क्षमता को बहुत प्रभावित कर सकता है। यह अक्सर देखा जाता है कि हियरिंग लॉस से बोलने के कौशल पर भी असर पड़ता है। जल्दी पता लगाने से तेज और प्रभावी उपचारों में मदद मिलती है। माता-पिता हलेशा अपने बच्चों में सुनने की कमी को पहचानने में सक्षम नहीं होते हैं, यही कारण है कि न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण हो जाती है। यह कार्यक्रम श्रवण विकलांगता का जल्दी पता लगाने में सक्षम है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने की चर्चा

एजेंसी। नवी दिल्ली

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसको कोचलियर इम्पोर्ट ट्रीम द्वारा बना आयोजित एक जगह कर्मचार्य में स्थाप्त विशेषज्ञों ने भारत में हिंदूरिंग हैट्स (श्रवण संबंधी स्कॉर्सिज़) के क्षरणों पर चर्चा की। बचाव इलाज में जैलर है और युनिवर्सल न्यूर्कीन हिंदूरिंग स्कॉर्सिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्थाप्ता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। युनिवर्सल न्यूर्कीन हिंदूरिंग स्कॉर्सिंग को अविवाय बनाने इस उद्देश्य को प्राप्त करने को दिक्षा में महीन विर्गेश साजित होता।

अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्पोर्ट ट्रीम के 14 साल पूरे होने पर, आयोजित एक कार्यक्रम में गह बात खुल नहीं सामने आई। 2005 में, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हिंदूरिंग इम्पोल ट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़े



लेकर आया है। इम्पोल ट को कोचलियर बनाने के लिए, स्ट्रैबल हिंदूरिंग एवेन्यूट बैट लैंड, के साथ पी शिव कुमार, सोहेंगो, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुष्म मिश्रल, युम येलिकल डायरेक्टर, और बाल शेग लिंगप्प, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफेसर) अमोत किशोर, ईन्सनी और कोचलियर इम्पोर्ट मर्केट, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नेहिता बराणी, डॉडिवेलनिस्ट, स्पैनच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए, कोचलियर इम्पोर्ट विशेषज्ञ ने मिश्रल इस उत्सवानि का जश्न मनाय। उन्होंने न्यू यॉर्क हिंदूरिंग स्कॉर्सिंग के महत्व पर अपनी जानकारीय भी सज्जा की, और सल्कार से देख भर में

सूखनाएँ बनाये करने का अप्राप्त किया। बल्लं हेल्थ डीर्पिलेज़न के अनुसार, तोक्षिनीय बोटेश्वन से जूँझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं; यूनिवर्सल का उद्देश्य यह सुन्नीकृत करना है कि सभी नवजात हिंदूरिंग की जन्म के समय ही हिंदूरिंग स्कॉर्सिंग की जाए।

भारत में, 6.3 प्रतिशत जनसंख्या - 2009 में अनुमानित 6.3 मिलियन लोग - महाल्पूर्ण हिंदूरिंग लौप्त से पीछित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से कारोबार से पीछित हैं, लगभग 100,000 बच्चे हर साल हिंदूरिंग लैंफिलेशनों के साथ जन्मा लेते हैं। नेशनल सेम्पल सेवे - 2002 में 58वां दीर्घ ने यासीय लोगों में विकलानिता का सर्वेक्षण किया और इसमें पात्र गढ़ कि श्रवण विकलानिता, विकलानिता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संकेदनाओं की कमी का सबसे बड़ा कारण है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य (हियरिंग हेल्थ) पर की चर्चा



संवाद (फ़िल्म) इसका अधिकारी विश्विलन में उच्चों कोर्सों में इन्डिपॉर्टेटिव एवं ड्रामा अपर्टमेंट एवं ज्ञानकाल कार्यालय में स्थान विभिन्नों ने बात में घोषणा की है। बहुत संविधान समाज के कानूनों पर जर्वी की। बदल उत्तरांश से बदल है और युवाओं के न्यूज़वर्क विवरणीय गोलीमान (बुद्धि), अधिकारी विश्विलन के बच्चों के लिये समाज का सामाजिक विषय है। युवाओं के न्यूज़वर्क विवरणीय समाज को अधिकारी विवरणीय काला इस उद्योग ने इन कानूनों की विजय में खड़ी नियम लाया विवरणीय। अधिकारी विश्विलन के कोर्सों में इन्डिपॉर्टेटिव क्रॉल के 14 वर्ष से ऊपरी पाठ्यक्रम एवं कार्यालय में वह वार्षिक नियम लाया गया है। 2005 में, अधिकारी विश्विलन 15-00 युवाओं का विवरणीय विवरणीय (विवरणीय इन्डिपॉर्टेटिव) का अधिकारी बनने में युवाओं की अभियन सेवा लाया है।

इन्हें जो जोनलिस्म नवायी के लिए संग्रहीत हिस्तीर्ण परिवार बोल दी, के सभी वे थे जिनका बुखार, बैडलो, वरिन्स और इस्टर्न डी एजेंसी गिरफ्त, एवं वे विकल वालीयता और वास थे। विकल, इंडिपेंडेंस वालीयता विकल, एवं जो जोनलिस्ट इन्हें बोलते, एवं जो जोनलिस्ट इन्हें इंडिपेंडेंस वाली विकल, अंडिपेंडेंट्स, लॉक्स ऐंड लॉक्स (लॉक्स) और जोनल इंडिपेंडेंस के लिए जोनलिस्ट इन्हें विकल ने जिसका उत्तराधिकार उत्तराधिकार वाला वास था। उन्हें जूनीने विकल वर्षीयता के वास था एवं वासी जनसंघीयी वी वास थी। और

लाला से नेता भाई वर्षभर को खींचना
नहीं का लकड़ा किसा।

मानव इंसान अर्थात् जीवन के अनुभव उत्सौखियों व्यक्तिगत से जुड़ा ही 460 विभिन्न लोगों में से 34 विभिन्न बच्चे हैं, जिनका उल्लंघन या मानविक बदलाव है तो उसी प्रबन्धन व्यक्तिगतों की जब वे सामान्य नहीं होते तो उन्हें बच्चों की जाए। जाति में, 8.3 लाखसे ज्यादा बच्चों का 2009 में अनुभवित 63 विभिन्न लोगों प्राप्तव्यात् हितोंगिरि नीति से प्रेरित है। इन बच्चों में से बहु संख्ये बीमी रूप से बहायाम से बोहित हैं, जिनमें 100,000 बच्चों द्वारा जलवायित दृष्टिप्रियों के साथ जब सोचे जाते हैं। इन संख्याओं का अधिकारी नीति से 2002 में 56% ही द्वारा बच्चों वाले हैं।

देख रख दूसरी बात क्या है कि, हमें अपनी संभवतया को उठाने वाले के जीवन में, और उसके परिवर्तन के जीवन में समाज का वासना लगाने में सहाय बढ़ते ही नियम अपने सभी की जगह है। साथे ये अवधारणा का अनुभाव ही सबका है जिसके नियम संरक्षण की उपलब्ध उच्चारी की जगतका है जहाँ है। इस तरह ये ज्ञानसंस्कृत वाचन-वाचन विशेषज्ञों के बाहर-प्रिया भौतिक वाचनों को विस्तृत करते ही एवं ज्ञानपूर्ण समाज को लिखती है, जिससे भवनके बीच ये ज्ञानसंस्कृत ऐसे देखते हैं। युग्म वाचन के देख बाहर ये प्रश्नों के साथ के बाहर

जुड़ने पर बढ़ती है, इस प्रकार दृष्टि के साथ वह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह एक सोच-प्रवासी की निरंतरी की व्यवस्था का अधिकार है।

भी है। शिक्षापाठ, नईओं, इतिहास वर्तनी द्वारा प्रस्तुत के बाबा, "हिंदू धर्म भवति मैर्यां का महालक्षण विजय नहीं है। अपेक्षा इतिहास अन्न इतिहास को एवं सब विजया विजयी हीन एवं विजय को नववाच विजयी पा किये जा सकते हैं। गीतार्थी के सब अधिकारों पा लेख जनाने के लिए एक अद्वितीय कार्यक्रम लगू करें। विजय कार्यक्रम से संबंधित राजनीति, शिक्षापाठ और दूरदृष्टियाँ भी जूँके जैसे देखें।" इच्छित हैं, भवति ने नवजात विजयी के लिए एक "वृत्त-उत्तरवृत्तविजय-स्थानिणि" कार्यक्रम आयोजित करना चाहती है। इसारी आधुनिक और कानूनिक को ऐच्छने वाली विद्यालय है। इतिहास वह महालक्षण है जिसे ये दोनों दृष्टिकोण से देखें।

इस अवधि निवास में अपने उत्तमता का, आता, हमने अनुभव किया है। इसी दृष्टिकोण से जब वार्षिक कार्यक्रम के 14 वर्ष से पूरे किये हैं तो यह एक की अनुभूति और उत्तमता का भ्रम है। हम सुनने की लक्ष्यता का अनुभव करने में मज़बूत कारंप 1500 वर्षों के बीच में बदलने लेकर अब ही हम प्रश्नकार निवास में यह सर्वोन्नत प्रथाओं को शामिल करने और ऐसे दृष्टिकोण से उत्कृष्ट सेवा प्रयत्न करने के लिए अपनी उत्तिकृष्टता लाई रखते हैं।

अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य (हियरिंग हेल्थ) पर की चर्चा



संचारकारा (दिव्वे) इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स में इसकी कोचिंगिंग इम्प्लाईट टीम द्वारा अधिकारित एक जानकारी कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इताज से बेहतर है और शृंखलासंलग्न न्यूर्कने हियरिंग स्टीमिंग (हास), अपोलो हॉस्पिटल्स के वर्षों के ब्रह्म स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। न्यूर्कने न्यूर्कने हियरिंग स्टीमिंग को अनिवार्य बनाना इस लोक्य को प्राप्त करने की दिशा में सही नियम संचित है। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचिंगिंग इम्प्लाईट प्रोग्राम के 14 सदस्य पूरे होने पर अधिकारित एक कार्यक्रम में यह बढ़ द्युत कर सकते आहे। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 वर्षों का श्रवण

प्रश्नोत्तरीपन (हियरिंग इम्प्लाईट) कर उनके जीवन में शुरुआती की आवाजें लेकर आया है। इम्प्लाईट को कोचिंगिंग बनाने के लिए मिलेकल डिफिस्ट एंड एसोसिएट ली. के सभा श्री पी शिव कुमार, मीडियो, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिल्लल, श्रृंग मीडिकल कोचिंगिंग और बाल रोग विशेषज्ञ, इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स, डॉ (फ्रेंचर) अर्हंद विशेषज्ञ, छात्र और कोचिंगिंग इम्प्लाईट संचार, इंटरनेशनल अपोलो हॉस्पिटल्स और मुख्य नीतिकार नारायण, अंडियोकोलिजिस्ट, स्वीच थेरेपिस्ट (स्थानानुकूल) और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचिंगिंग इम्प्लाईट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपर्योग का जान सकता। उन्हें न्यूर्कने हियरिंग स्टीमिंग के महत्व पर अपनी जानकारीया भी साझा

की, और मरवार से देख भा में हास को अनिवार्य करने का आश्रम किया।

कर्तृत हेल्थ अंगेनहोमेजन के अनुसार, उपर्योगीय कारोबार से जुळ गें 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं, हास का उपर्योग यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात विशेषज्ञों की जन्म के समय ही हियरिंग स्टीमिंग की जागा भासा में, 6.3 प्रतिशत जनजनक - 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग - महात्मागंधी लियरिंग लोग से पौष्टिक है। यह हास बच्चों में से यह बच्चे नप्सी रूप से बढ़ावान से पौष्टिक है; लगभग 100,000 बच्चे हर साल हियरिंग डोप्पिशिंगटी के साथ जन्म लेते हैं। नोवेल सेम्पल मध्ये - 2002 में 58वाँ दौर - ने भारतीय बच्चों में विकासाता का सर्वेषण किया और इसमें पापा यह कि श्रवण विकासाता, विकासाता का दृसग सर्वसे सामान्य वरण और संवेदनाओं की कमी का सर्वसे बड़ा वरण है। डेट ली ने इस कार्यक्रम में कहा, -अपोलो वेदी संस्कारों को इन्हें बच्चों के जीवन में, और उनके पर्यावरण के जीवन में सुनने का आनंद लेने में सहम करना मेरे लिए अलग तरफ की बात है। सुनने की अलगाव का इताज ही सकता है ऐकिन ज्यादा लोगों की

उपलब्ध उपचारों की जानकारी नहीं है। इस तरह की जानकारता पहल नवजात विशेषज्ञों के माता-पिता और परिवारों को शिखित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें हास के बारे में जानकारता पैदा होती है। नुस्खे हास के नेक कार्य, इन ज्ञानमार्ग के साथ के साथ जुळने पर तरह है, ताकि एक टीम के रूप में, यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह बच्चे रोगमर्ग की विशेषज्ञी वी अवानों का अनुभव बत सके। पी. लिक्कुमार, मीडियो, इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स ने कहा, -हियरिंग हेल्थ भारत में बच्चों का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अब हियरिंग स्टीमिंग के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर हास की नवजात विशेषज्ञों पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण करने के लिए एक एडवोकेटों के मेम लालू करेगा। हास व्यापक रूप से संकुल ग्रन्थ अपोलो, सिंगापुर, अंडमान और शंख जैसे देशों में प्रचलित है, भारत में नवजात विशेषज्ञों के लिए एक -अंडमान-इन्द्रावलीमध्य- स्ट्रेटिजी व्यवस्था का बनना चाहीदा है। हमारी आवेदी और कलन दुनिया की देशों की विशुद्धीकरण है, उसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वे दोनों अंड में से काम करें।

**दंडारथ आपोलो लैरिपॉल्स के विरोधी ने भारत में
भवित्व संवारथ आपोलो : हिंदूरिंग हेल्प घर की वर्ती
वर्धि दिल्ली/हैदराबादः इंटरन अफेले टीमिंगलस में इन्हों
को बोर्डिंग इन्हें लैन छुग जब आयोडिल एक जनसंख्या
वालीमध्य में भवित्व विशेषज्ञों ने भारत में हिंदूरिंग हेल्प घर
पर्याप्त व्यवस्था दू के कारणों पर चर्चा की। बचाव इन्हें खेत्र
है और यूनिवर्सिट न्यूजीलैंड हिंदूरिंग व्यवस्था के
वर्ती के बचाव व्यवस्था का महत्वात्मक हिता है। यूनिवर्सिट न्यूजीलैंड
हिंदूरिंग व्यवस्था को बोर्डिंग व्यवस्था दू उपर्युक्त जो ज्ञान करने की
दिशा में यादी विशेष योग्यता होता। अफेले टीमिंगलस के बोर्डिंगलस
इन्हें फ्रीमान के 14 वाल पूरी होने पर आयोडिल एक वार्षिकमध्य
में यह ज्ञान सूचन कर गया है। इन्हें बोर्डिंग व्यवस्था वर्ती के
दिशा गयोंवाल हिंदूरिंग व्यवस्था दू नीर के ज्ञान की पौरी विवर
कृष्ण गोईवाल और अफेले टीमिंगलस ने अनुमा विवरल
विवरल उपर्युक्त और बचाव देने विशेषज्ञ इंटरन अफेले
टीमिंगलस ने दू उपर्युक्त व्यवस्था और यूनी विशेष व्यवस्था
विंडिंग्सीर्स्टर गोईव विवरल दी। अफेले टीमिंगलस के दिशा
बोर्डिंग इन्हें विशेषज्ञ व्यवस्था के व्यवस्था पर अपनी
वार्षिकीय दो यात्रा और यात्रा में देख भारत में अन्यान्य कारों
का अध्ययन किया। ने अनुमा विवरल दी जाने उपर्युक्त में बचाव
व्यवस्था दू यात्रे यूनिवर्सिट न्यूजीलैंड व्यवस्था वार्षिकमध्य के 14
वाल पूरी होने हो एक वार्षीय ज्ञान सूचन कर ज्ञान का ज्ञान है।
एसूचन की व्यवस्था का अनुमा वार्षीय में यात्रा करने 1500 वर्ती
के ज्ञान में बचाव लेना जाने है। यूनी विवरल व्यवस्था
विंडिंग्सीर्स्टर गोईव विवरल दी। अफेले टीमिंगलस के दिशा
बोर्डिंग इन्हें विवरल दू बहु सूचन की व्यवस्था का अनुमा
व्यवस्था वर्ती में बचाव के विवरों की ध्यान को बहु उच्चिता कर
करता है। भारत में सख्ती जावे 10 टीमिंगलस की यूनी में यह
टीमिंगलस व्यवस्था यात्रे उत्तम रूप है।**

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थअपो (हियरिंग हेल्थ) पर की चर्चा

□ नवात ले 63 विभिन्नता
से अधिक लोग उड़े रक्षण
विक्रमीय लंबा से दौड़े हैं।

नामांतर में दृष्टि संग्रह ।
नामांतर का विभिन्न
विभिन्न विधियों के साथ दृष्टि संग्रह

The Bell Curve Review

दिल्ली नवाबों द्वारा दिल्ली के इसी धौकीनाम हुआ है। यहाँ इस नाम से जुड़ा एक अन्य नाम भी है, जिसका नाम भी दिल्ली है। यहाँ दिल्ली नाम से जुड़ा एक अन्य नाम भी है, जिसका नाम भी दिल्ली है।

पुरुषोंने यहाँ सिवाय
स्त्रीओं की अधिकारी बदल दिए
जिनमें से ज्ञान और विजय में
वही विषय अधिक थिया। अधिक
त्रिपुरामें जो विभिन्न ग्रामों
में जीवन के लिए उपकरण
की जगह दी गई है, वहाँ वहाँ
स्त्री विकास का अधिकारी ने यह
सुन कर समझे। अब 2005 में,
अधिक त्रिपुरामें 1100 स्त्रीयों का
जीवन उपकरण दिया गया।

ਇਸੀ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਬਣਾ ਦੇ ਚੱਲ੍ਹਾ ਹੈ? ਜਾਣਾ
ਪਾਵੇਂ ਹੈ ਕਿ ਪਾਰ ਕਾਂਧੇ ਦੀਆਂ ਕਾਂਧ ਦੇ
ਅਤੇ ਪੁਰਾਨੇ ਦੇ ਚੱਲ੍ਹਾ ਹੈ, ਜਾਣਾ
100,000 ਕਲੋ ਦੀ ਸ਼ਾਮ ਵਿਖੀ
ਚੱਲ੍ਹਾਵਾਂ ਦੇ ਪਾਰ ਕਾਂਧੇ ਦੀਆਂ ਹੈਂ।
ਜੇਕਾਨ ਲੋਕਾਂ ਵਿੱਚੋਂ - 2007 ਵੇ
2010 ਵੀ - ਨੇ ਪਾਰਾਂ ਦੀਆਂ ਦੀ
ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੀ ਅਵਿਵਾਦਿਤ ਅਤੇ
ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਾਰ ਕਾਂਧ ਦੇ ਕੁਝ
ਵਿਭਾਗਾਂ, ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੀ ਤੁਲਨਾ
ਕਰਕੇ ਯਥਾਵਤ ਕਾਂਧਾਂ ਅਤੇ
ਅਨੇਕਾਂ ਦੀ ਕਾਂਧਾਂ ਦੀ ਸ਼ਾਮ ਵਿਖੀ
ਲੈਂਦੇ ਹੋਏ ਜੇ ਇਸ ਵਿਖੀ ਨੂੰ
ਕਿਵੇਂ ਬਣਾ ਦੇ ਚੱਲ੍ਹਾ ਹੈ, ਤਾਂਕੇ
ਚੱਲ੍ਹਾਵਾਂ ਦੇ ਕੀਵੇਂ ਦੀਆਂ ਹੈਂ।

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਿਰੀ ਦੀ ਸਾਡਾ
ਕਾ ਪੜ੍ਹਾਵ ਕਰੋ।

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਮਾਤਾ ਮਿਸ਼ਨ
ਲਿਬੀਅਰੀ ਦੀ ਸਿੱਖਿਆ ਹੈ, ਪ੍ਰਾਚੀਨ
ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਸਾਹਿਬੁਰਾਂ ਦੇ ਰਿਹਾਂ ਦੀ ਸੰਭਾਲ
ਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

जो वर्षानि ब्रह्मणि न अपि
ज्ञाता ह वाच वाच यस्मि
विद्युत्तमं त्रैष्टुप्तं विद्येण
विद्यन् एव । १४ वर्षानि यस्मि इति
त्वा एवं विज्ञात्युप्ति विद्यावा
यन् ह एव वृत्ते एव विद्या वा
विद्युत्तमं विद्येण विद्यन् । १५०
वर्षो द्वे विद्यां विद्यां विद्यां

Aapka Faisla

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला, (आपका फैसला)। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्टांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेलथ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साक्षित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण; हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। वर्ल्ड हेलथ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूँझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से

- ▶ विशेषज्ञों ने में श्रवण संबंधी समस्याओं पर की चर्चा
- ▶ हर साल 1 लाख बच्चे हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ होते हैं पैदा

बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल, हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिवकुमार सीईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेलथ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेलथ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

भास्तर न्यूज़ शिमला

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने

आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण, हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में सुशियों की लेकर आया है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूँ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए।

भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग, महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से

पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिवकुमार सीईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने को एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा।

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला| इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण, हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की लेकर आया है।

भारत में 63 मिलियन लोग हियरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण सबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण, हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ लेकर आया है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार उल्खनीय बहरेपन से जूँझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिप्कुमार सीईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

भारत में 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला, 18 नवम्बर (ब्यूरो): भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से 4 बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। लगभग 100000 बच्चे हर साल हीयरिंग डैफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी. शिव कुमार सी.ई.ओ. इंद्रप्रस्थ ने कहा कि हीयरिंग हैल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पीटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हीयरिंग हैल्थ पर यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किए जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यू.के. जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है, जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है। वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं। यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हीयरिंग स्क्रीनिंग की जाए।

S Experts at Indraprastha Apollo Hospitals advocate for Hearing Health in India

New Delhi,: In an awareness event organized today at Indraprastha Apollo Hospitals by its Cochlear Implant Team, Health Experts discussed and advocated the cause of Hearing Health in India. Prevention is better than cure and Universal Newborn Hearing Screening (UNHS) is Apollo Hospitals' critical part of children's hearing health program. Making Universal Newborn Hearing Screening mandatory will go a long way towards achieving this. At an event to mark 14 years of the launch of Apollo Hospitals' cochlear implant programme, this came out loud and clear. Since 2005, Apollo Hospitalshas brought the sounds of joy into the lives of 1500 children who have received hearing implants. According to the World Health Organisation (WHO), of the 466 million people suffering from significant hearing loss globally, 34 million are children; the UNHS aims to ensure that all newborn babies undergo a hearing screening test at birth. In India, 6.3 per cent of the population, - an estimated 63 million people in 2009 - suffer from significant auditory loss. Four out of every thousand children suffer from severe to profound hearing loss; roughly 100,000 children are born with hearing deficiency every year. The National Sample Survey - the 58th round in 2002 - surveyed disability in Indian households and found that hearing disability was the 2nd most common cause of disability and the topmost cause of sensory deficit.

भारत में 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित

शिमला, 25 नवम्बर (सवेरा) : भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग हीयरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से 4 बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं। लगभग 100000 बच्चे हर साल हीयरिंग डैफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी. शिव कुमार सी.ई.ओ. इंद्रप्रस्थ ने कहा कि हीयरिंग हैल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पीटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हीयरिंग हैल्थ पर यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किए जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यू.के. जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है, जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यू बोर्न हीयरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित

डेमोक्रेटी हिमाचल, शिमला

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा बुधवार को आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी समस्या के कारणों पर चर्चा की। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबन ट्र प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांलट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। वल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार उल्लेखनीय बहरेपन से जूझ रहे 466 मिलियन लोगों में से 34 मिलियन बच्चे हैं यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नवजात शिशुओं की जन्म के समय ही हियरिंग स्क्रीनिंग की

जाए। भारत में 6.3 प्रतिशत जनसंख्या 2009 में अनुमानित 63 मिलियन लोग महत्वपूर्ण हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। हर हजार बच्चों में से चार बच्चे गंभीर रूप से बहरेपन से पीड़ित हैं लगभग 100000 बच्चे हर साल हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ जन्म लेते हैं। पी शिवकुमार सोईओ इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग व्यापक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों में प्रचलित है। वर्तमान में केरल हमारे देश का एकमात्र राज्य है जिसने सरकारी अस्पतालों में 98 प्रतिशत यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक हासिल किया है।

देश में 63 मिलियन से अधिक हियरिंग लॉस से पीड़ित

नवी दिल्ली, 17 नवम्बर। भारत ने किसी देश का जबल नवीनी व्यवस्था के क्षमताएं पर इन्होंने अपेक्षित लॉसिटल्स में कोचलियर इम्लाईट ट्रोप द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और नूनिवर्सिटीज़ न्यूज़ोने हियरिंग स्कॉलिंग अपेक्षित लॉसिटल्स के बच्चों के अवश्य स्वास्थ्य का नियन्त्रण किया है। नूनिवर्सिटीज़ न्यूज़ोने हियरिंग स्कॉलिंग को आनंदवाचक इम्लाईट को चोचलियर इम्लाईट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर अपेक्षित एक कार्यक्रम में जह जल खुल कर रामने जाए। 2005 में अपेक्षित लॉसिटल्स 1500 बच्चों का जबल नवीनीय हियरिंग इम्लाईट कर उनके जीवन में खुशियों को अवलोकन करता आया है। इम्लाईट को चोचलियर बच्चों के लिये न्यूज़ोन का एवं सर्वेक्षण ब्रेट जी के साथ भी जिन नूनिवर्सिटीज़ अपेक्षित लॉसिटल्स डॉ न्यूज़ोन लिखत गये मेडिकल कालेजेट और बाल रोग विशेषज्ञ इंट्रास्थ्य अपेक्षित लॉसिटल्स डॉ श्रीनार अमोह किशोर इम्लाईट और कोमलियर इम्लाईट भव्य

इम्लाईट अपेक्षित लॉसिटल्स और सुनी नीमिता लॉसिटल्स ऑफिशिलाइब्रिट न्यूज़ोन विशेषज्ञ और अपेक्षित हॉसिटल्स के लिए कोचलियर इम्लाईट किशोर ने मिलकर इस विशेषज्ञ का जबल नाम दिया। किशोर न्यूज़ोने हियरिंग के महावर पर अपनी जागरूकता भी साझा की और साकार से देश भर में नूनिवर्सिटीज़ न्यूज़ोने हियरिंग स्कॉलिंग को

2002 में 58वाँ द्वारा ने भारतीय खंड में विकलागता का सर्वेक्षण किया और इसमें यथा यथा कि अधिक विकलागता, विकलागता का दूसरा सबसे सामान्य कारण और संलेन्ड्रिंग का जबल नाम दिया। किशोर न्यूज़ोने हियरिंग के महावर पर अपनी जागरूकता भी साझा की और साकार से देश भर में नूनिवर्सिटीज़ न्यूज़ोने हियरिंग स्कॉलिंग को

में कहा आज हमने नूनिवर्सिटल न्यूज़ोन हियरिंग स्कॉलिंग कार्यक्रम के 14 साल दूर किये हैं जो एक गवर्नर जी अनुभूति और जस्ता का क्षण है। हम सुनने को शमगत का अनुभव करने में बदल करके 1500 बच्चों के जीवन में बदलाव लेकर आये हैं। हम वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में सर्वोत्तम प्रशास्त्रों को शामिल करने और अपने रोगियों को जल्दी सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिवद्धता जारी रखते हैं। न् यूज़ोने हियरिंग स्कॉलिंग के मालिक के बारे में बात करते हैं एवं डॉ अमोह किशोर ने कहा हैं जै भेट्रैम के बेहो पर पूर्णता देखी है जब उनके बच्चे सुनने की कमी से बाहर निकल कर सामान्य का पर से सुनने लगते हैं। हियरिंग स्कॉलिंग का प्रारंभिक और पर पता लगाना इस गंदुड़ि के नियांग की दिल्ली में पहला कदम है। अक्सले नई दिल्ली में 34000 से अधिक लोग महत्वपूर्ण सुनने की कमी से पीड़ित हैं। सुनी नीमिता नारायण ऑफिशिलाइब्रिट स्पैच इम्लाईट और अपेक्षित लॉसिटल के लिए कोचलियर इम्लाईट स्पैकलिट ने कहा सुनने की कमी का नुकसान प्राप्तिक बर्द्दी में बच्चे के मीम्ब्रें की क्षमता को बहुत प्रभावित कर सकता है।

विशेषज्ञों ने हियरिंग हेल्थ पर की चर्चा

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम के जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के सीईओ पी. शिवकुमार ने कहा, हियरिंग हेल्थ भारत में चर्चा का महत्त्वपूर्ण विषय नहीं है। अपोलो हॉस्पिटल अन्य हितधारकों के साथ मिलकर हियरिंग हेल्थ पर यूएनएचएस को नवजात शिशुओं पर किये जाने वाले दूसरे परीक्षणों के साथ अनिवार्य परीक्षण बनाने के लिए एक एडवोकेसी कैम्पेन लागू करेगा। भारत में नवजात शिशुओं के लिए ऑल-इनकंलूसिव स्क्रीनिंग कार्यक्रम स्थापित करना बाकी है। हमारी आंखें और कान दुनिया को देखने की खिड़कियां हैं।

देश में 63 बिलियन से अधिक हाइरिंग लॉस से पीड़ित

प्रकाशित वर्ष संख्याद्यापा

लक्षणक। भारत में हिंदूरी हैरप तथा संस्कृती स्वाध्य के कारण पर इन्होंने ज्ञानालं शास्त्रमाला में कोशिकामाला इन्द्रजीती दीया द्वारा अध्ययन के एक विषयमाला कार्यक्रम में स्थापित कियोगी तो उनकी जीवन
व्यापक इकाई से बोहोच हो और उन्हें विद्यार्थी-
न्युर्वर्ड हिंदूरी रक्षणात्मक ग्रन्थोंहाँस्त्रियों-
के बच्चों के ब्रह्म स्वाध्य का महायोग्य-
हिता हो। उन्निवार्ता-न्युर्वर्ड हिंदूरी
रक्षणात्मकों की अधिकारी बनाना हास दर्शन की
काम करें और दिव्य से स्फी निर्णय प्राप्ति
हो।

मोटी हाइट्स के कोविड-19 इनकार्ट प्रोग्राम के 14 साल दूर ही नेपाली वार्षिक एक्सप्रेसमें यह बता दूसरे काल में उल्लंघन मार्फ़ था। 2005 में यहाँने हाइट्समें 1500 बच्चों का इकाई अधिग्राहण किया थिए।

इतिहास भाषाओं हारियल्लास
के चिठ्ठियों ने की अवधि
समाप्ति थी जर्मनी

तिक्तल ग्राम चैंडीकाल रुपनेवाला और याद

के लगातार दो विभिन्न वर्षोंमें को प्रभाव में 6.3 प्रतिशत वृद्धि की 2009 में जनप्रयोग 4.3 प्रतिशत लोग, मात्र 2009 दिव्यांशुरी लोग में थी थी। इस दौरान वर्षों में से भारत लोगों द्वारा कृप्ति में वृद्धि की लोगों की 100000 लोगों के बीच वर्षों में वृद्धि है।

नवाजस शेषांक रखते हैं। 2002 में नेहरू की दूरी ने भारतीयों को यह विश्वास दिया और इसमें एक गम था कि अब विकल्पप्रणाली विकल्पप्रणाली का दूरी तक भारतीय विकल्पप्रणाली को कभी कभी समझ दूरी करता है। बल्कि लोगों ने इसकी कार्यकारीता के बाबत भारतीयों को यह समझा कि विकल्पप्रणाली को जीवन में लाने की कोशिश करते विकल्पप्रणाली को कभी कभी समझ दूरी करता है। बल्कि लोगों ने इसकी कार्यकारीता के बाबत भारतीयों को यह समझा कि विकल्पप्रणाली को जीवन में लाने का अन्वेषण में दृष्टिकोण करना चाहिए और उक्त विकल्पप्रणाली के जीवन में दृष्टिकोण का अन्वेषण में दृष्टिकोण करना चाहिए और उक्त विकल्पप्रणाली के जीवन में दृष्टिकोण का अन्वेषण में दृष्टिकोण करना चाहिए और उक्त विकल्पप्रणाली के जीवन में दृष्टिकोण करना चाहिए।

वर्णन किया गया है। इसका विवरण देखा पर युक्तिवाले नार्तकों द्विमात्र एकत्रिय सीख बदल तिथियों पर बिन बिन बदल दूसरे परिवर्त्यों के साथ अपनी परिष्कृत जननों के लिए एक प्रत्येक नार्ता के द्वारा किया जाता है।

卷之三

वार्षिक वायाम में कला भवन वायाम गृह विवरण
क्षमता विवरण इकाईयां वायामों के 14
संख्या पृष्ठ विवर हैं जो एक वर्ष की अधिकारी
प्रति वायाम 60 दिन है। इस पृष्ठ की वायाम
का सामूहिक वायाम में मदद करके 1500
वायाम की विवरण में वर्णन किया गया है।

देश में 63 बिलियन से अंधिक हियरिंग लॉस से पीड़ित

लखनऊ। भारत में हियरिंग हेल्थ श्रवण संबंधी स्वास्थ्य के कारणों पर

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य हियरिंग हेल्थ पर की चर्चा

लखनऊ। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इम्प्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लेबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली, के साथ श्री पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिष्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ (प्रोफेसर) अमीत किशोर, और कोचलियर इम्प्लांट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और सुश्री नीविता नारायण, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इम्प्लांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया।

देश में 63 मिलियन से अधिक हियरिंग लॉस से पीड़ित

लखनऊ (वरिष्ठ संवाददाता)। भारत में हियरिंग हेलथ श्रवण संबंधी स्वास्थ्य के कारणों पर इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

विशेषज्ञों ने हियरिंग हेल्थ पर की चर्चा

लखनऊ। इंद्रप्रस्थ अपोले हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोले हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोले हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोले हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्प्लांट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, जेएनएन। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबनट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है।

अपोलो हॉस्पिटल्स में हियरिंग हेल्थ पर चर्चा

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इलांट टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इलांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इलांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार, सौईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिबल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, अपोलो हॉस्पिटल्स उपस्थित थे।

उम्माद नहा हे।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य पर की चर्चा

भोपाल। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कॉक्लेयर इम्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग (हास), अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साखित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कॉक्लेयर इम्लांबन ट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से, अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण (हियरिंग इम्लां ट) कर उनके जीवन में खुशियों की आवाज़ लेकर आया है।

कॉक्लीटो जीव जातोको का जगा

इंद्रप्रस्थ अपोलो में श्रवण स्वास्थ्य हियरिंग पर चर्चा

हारिभूमि न्यूज || नई दिल्ली

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी टीम द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ (श्रवण संबंधी स्वास्थ्य) के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांबनट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का



श्रवण प्रत्यारोपण हियरिंग इम्लांट कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इम्लांशिट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट लीए के साथ पी शिव कुमार, सीईओ अपोलो हॉस्पिटल्स डॉ. अनुपम सिब्बल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ. प्रोफेसर अमीत किशोर और कोचलियर इम्लांट सर्जन इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और नीविता नारायण ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट और अपोलो हॉस्पिटल्स के लिए कोचलियर इंलांट विशेषज्ञ ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। उन्होंने न्यूचबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर अपनी जानकारियां भी साझा की।

हर साल 1 लाख बच्चे पैदा होते हैं हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ

नई दिल्ली। भारत में 63 मिलियन से अधिक लोग उल्लेखनीय हियरिंग लॉस से पीड़ित हैं। भारत में हर साल 1 लाख बच्चे हियरिंग डेफिशिएंसी के साथ पैदा होते हैं। यह जानकारी इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ परिचर्चा में दी गई। इम्लांशिट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ. अनुपम सिंहल ने न्यू बॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग के महत्व पर जानकारियां भी साझा कीं और सरकार से देश भर में यूएनएचएस को अनिवार्य करने का आग्रह किया।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने भारत में श्रवण स्वास्थ्य पर की चर्चा

भोपाल। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में इसकी कोचलियर इम्प्लांट टीम द्वारा आज आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की। बचाव इलाज से बेहतर है और यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्प्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात खुल कर सामने आई।

अपोलो हॉस्पिटल्स में हियरिंग हेल्थ पर चर्चा

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में कोचलियर इम्लांट टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में हियरिंग हेल्थ के कारणों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग, अपोलो हॉस्पिटल्स के बच्चों के श्रवण स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूनिवर्सल न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग को अनिवार्य बनाना इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में सही निर्णय साबित होगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के कोचलियर इम्लांट प्रोग्राम के 14 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात सामने आई। 2005 से अपोलो हॉस्पिटल्स 1500 बच्चों का श्रवण प्रत्यारोपण कर उनके जीवन में खुशियों की आवाजें लेकर आया है। इम्लांट को कोचलियर बनाने के लिए ग्लोबल हियरिंग एंबेसडर ब्रेट ली के साथ पी शिव कुमार, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ अनुपम सिंखल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर और बाल रोग विशेषज्ञ, अपोलो हॉस्पिटल्स उपस्थित थे।